

आनंद आठों याम आ (११४)

साई जन्म जो अजु दींहु सुख धाम आ।

घर घर खुशियूं आनन्द अभ्राम आ॥

अमां सुख देवी अ जी अनूपम कान्ति आ

गोद में बालक सुधाकर भांति आ

जियं अमां यशोदा जी गोद घनश्याम आ॥

बाबा जे आनंद जो आरु नको पारु आ

जंहि जे घरि आयो प्रेम भक्ति अवतारु आ

चन्दन ऐं चन्द्रमा खां ठण्डो जंहि जो नामु आ॥

रूप में अनूप साई शोभा जो भण्डारु आ

स्वामी आत्माराम जे हियंड़े जो हारु आ

गद् गद् थियो सारो मीरपुर गामु आ॥

सुरनि साराहियो अजु सुहिणो सिंधु देश आ

आयो बाल रूप में रसिक नरेश आ

जंहि जे रोम रोम में रमियो सियाराम आ॥

नर नारियूं चवनि था जै जै वाह वाह

सतिसंग जो सूरज थी देखारी रस राह आ

कथा कीर्तन जो आनंद आठों याम आ॥

मिली खिली वाधाई गायूं साईं राम जी
आहे मोहिनी मूरति मिठी अमड़ि आराम जी
जन्म वाधाई अ मिलियो सभिनी सतिनाम आ॥